P-1115

Total Pages : 3 Roll No. .....

DMA-104

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. त्रिविध कर्मजन्यफल विचार पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

2. त्रिदोषजन्य व्याधियों के योगों की विवेचना करते हुए ज्वरों के प्रकार व योगों पर प्रकाश डालिए।

3. ग्रहशान्ति प्रविधि पर चर्चा करते हुए दान के माध्यम से रोगोपचार पर विस्तृत विमर्श कीजिए।

4. मन्त्रानुष्ठान एवं ग्रहशान्ति प्रयोग से रोगोपचार विधि पर प्रकाश डालिए।

5. कर्मफल के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए उसके प्रभेदों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. पित्तजन्यव्याधियों के योगों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

2. कफजन्यव्याधियों के ज्योतिषीय योगों की विवेचना कीजिए।

3. कर्मफल का ज्योतिषीय परिप्रेक्ष्य में विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. योगों पर आधारित रोगों के फल पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

5. गोचरीय स्थिति के आधार पर रोगों की सम्भावना पर टिप्पणी कीजिए।

6. ग्रहशान्ति से रोगचिकित्सा पर प्रकाश डालिए।

7. औषधियों के प्रयोग से रोगनिवृत्ति कैसे सम्भव है? विवेचना कीजिए।

8. ज्वररोगोपचार पर विस्तृत प्रकाश डालिए।